"सर्व शक्तिमते परमात्मने श्री रामाय नम:"

Shree Ram Sharnam Gohana- Gurudev Pujya Shree Krishanji Maharaj's message for the devotees on the auspicious advent of New Year 2018

On the auspicious advent of New Year 2018, I welcome you all. We are very blessed to be present here (Shree Ram Sharnam Gohana), to seek the Divine Blessings of Guru Maharaj, on this auspicious occasion. May the New Year be blissful for you all. May everyone be blessed with happiness, prosperity, grace, accomplishment, 'satsang' and success.

Today, I want to stress upon you to cultivate fondness for 'Nam Jaap' (incantation of Lord's name). veneration, rumination and contemplation, done in a regular and a stipulated manner definitely brings gratification and happiness to one's heart and soul. It has immense power to dispel our sorrows and sanctifies us from our sins, imperfections and negative thoughts. Undoubtedly the 'Simran' (chanting) of 'Ram-Nam' brings us closer to Him. The more one chants and meditates, the more one experiences clarity and purity of mind and consciousness, proximity of God, His grace and exceptional peace.

चन्ताम ण हरि नाम है, सफल करे सब काम।
महामन्त्र मानो यह, राम राम श्री राम।।

Lord's name is the gem that absolves us from anxieties, and brings success to our endeavors.
Trust that Ram, Ram, Shree Ram is the most powerful invocation.

Virtuous and auspicious deeds bring us closer towards the enlightenment of our souls. One must be high spirited in faith, for our spirit is the abode of our deity. It is only when we come to 'Satsang', that we realize our true self. Whenever you go to 'Satsang', think that you are going to the school of truth and virtuousness. Pray to God for His grace and His love, for whoever receives the blessings of His grace is enthralled forever. The seeker should have firm confidence that, 'My inner being radiates with 'Ram-Nam' and I have surrendered myself to Ram's sanctuary. I do not have to worry at all about achieving accomplishment in my practice. I only need to focus on the 'Simran-Jap' (chanting and incantation) of Ram-Nam'.

There should be immense love, devotion and doubtless resolute in the name of Shree Ram. The religion of devotion is delightful, is the true path, is simple and accessible for everyone and bestows peace and tranquility. By imbibing the love and devotion of Shree Ram in the recesses of one's heart, one finds peace, happiness and contentment which is above all other gratifications.

At the prosperous arrival of New Year 2018, let us invoke Lord Ram for firm faith and resolution in His name, tread the true path shown by Guru Maharaj and pray for the inspiration and ability to do auspicious and virtuous deeds. May Shree Ram be our guiding light always.
Your Well Wisher

Krishan
01/01/2018

श्रीरामशरणम् गोहाना-नव वर्ष के नवोदय काल में साधकों के प्रति पूज्य गुरूदेव श्री कृष्ण जी महाराज **(** पताजी**)** का संदेश

"सर्व शक्तिमते परमात्मने श्री रामाय नमः"

नव वर्ष के शुभारम्भ पर आप सब का अ भनन्दन करता हूँ। हम सब भाग्यशाली हैं क इस पावन घड़ी में गुरू महाराज का परम आर्शीवाद प्राप्त करने के लए यहाँ उपस्थित हैं। नव वर्ष आप सब के लए मंगलमय हो। सब को सुख, समृ द्ध, कृपा, साधन, सत्संग एवम् सौभाग्य प्राप्त हो।

मुझे आज आप से कहना है क नाम जाप में प्रीति होनी चाहिए। नियम से और निय मत रूप से कया गया नामारधन, नाम चंतन एवम् मनन निश्चय ही मन को प्रसन्नता एवम् सुख देने वाला है। इसमें हमारे पाप, दोषों, दु र्वचारों और दुखों को भस्म करने की अपार शक्ति है। निश्चय ही राम नाम के समरन से हमें उसका सान्निधय प्राप्त होता है। जितना अ धक समरन होगा उतना ही हमारे मन और चत्त में शुद्धता एवम् निर्मलता आएगी व प्रभु की निकटता और कृपा का अनुभव होगा और वशेष शान्ति प्राप्त होगी।

चन्ताम ण हरि नाम है, सफल करे सब काम।
महामन्त्र मानो यह, राम राम श्री राम।।

पुण्य कर्म एवम् शुभ कार्य हमें आत्मा के प्रकाश की ओर लेकर जाते हैं। भावना ऊँची होनी चाहिए। भावना मे ही इष्टदेव का निवास है। सत्संग मे आकर ही हमें अपने आप का पता चलता है। सत्संग में जब भी शा मल होना है तो यह सोच कर होना है क मैं सत्य और सद्गुणों की पाठशाला में जा रहा हूँ। प्रभु के आगे यह मांगना है क हमें प्रभु का प्रेम मले, उसकी कृपा मले। जिसे उसकी कृपा का आर्शीवाद मल जाता है वह निहाल हो जाता है। साधक को पक्का वश्वास हो क राम नाम मेरे हृदय में वराजमान है और मैं श्री राम शरण में सम र्पत हो गया हूँ-मुझे साधना और स द्ध दोनों की चन्ता कुछ भी नहीं करनी चाहिए। केवल राम नाम का समरन जाप करना है।

श्री राम नाम में अपार प्रीति, श्रद्धा और संशय रहित निश्चय होना चाहिए। भक्ति धर्म रसमय है, सन्मार्ग है, सब के लए सहज एवम् सुगम है और शान्ति तथा समता का दाता है। श्री राम के प्रेम और भक्ति में मन को रमाने से जो शान्ति और सन्तोष प्राप्त होता है, उस सुख के सामने अन्य सब सुख फीके हैं। राम नाम संतोष तथा कृतज्ञता के भावों को बल देने वाला है।

आइए नव वर्ष 2018 के शुभ आगमन पर प्रभु राम से नाम के प्रति वश्वास एवम् आस्था का आह्नान करते हुए गुरू महाराज से सत्य पथ पर चलते हुए शुभ कार्यों को करने की प्रेरणा एवम् बल शक्ति प्राप्त करने की याचना करें। श्री राम का पथ प्रदर्शन हमें सदैव मलता रहे।

आपका शुभाकांक्षी,

कृष्ण